Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding establishment of automatic doors in Indian Railway and to solve the problem of water logging at Tundla Railway station.

डॉ. चन्द्र सेन जादौन (फिरोजाबाद): आदरणीय सभापति महोदय, मैं आपका अत्यंत आभारी हूँ कि आपने आज मुझे बोलने का अवसर प्रदान किया । मेरे संसदीय क्षेत्र में बहुत समस्याएं हैं । वहां आए दिन रेल के दरवाजे से यात्री गिर जाते हैं और बहुत बड़ी हानि होती है । या तो उनकी मृत्यु हो जाती है या वे घायल हो जाते हैं । मेरा यह कहना है कि मेट्रो रेल की तरह सभी रेलगाड़ियों के दरवाजे स्वचालित होने चाहिए, जिससे यात्री ना गिरें और उनकी जनहानि ना हो । दूसरी बात यह है कि मेरे लोक सभा क्षेत्र, फिरोजाबाद में टूण्डला रेलवे स्टेशन है । टूण्डला रेलवे स्टेशन के आसपास एक गांव अनवाड़ा है । इस गांव में तीन से चार हजार की आबादी है । सैकड़ों वर्षों से यात्री और गांव वाले इस रेलवे स्टेशन से गांव पहुंचते हैं, लेकिन आज वहां पर पानी भरा हुआ है । वहां निकलने के लिए रास्ता नहीं है । जब गांव वालों ने रास्ता पक्का करने के लिए कहा तो रेलवे वालों ने मना कर दिया । अब वे धरना दे रहे हैं और कोई उपाय नहीं निकल पा रहा है । मेरा आपके द्वारा रेल मंत्री जी से निवेदन है कि उनको पहले की तरह निकलने दिया जाए और रास्ता पक्का किया जाए ।